पत्र सूचना कार्यालय

भारत सरकार

नई दिल्ली

01 अप्रैल, 2015

चीन के धार्मिक मामले मंत्री के नेतृत्व में चीनी शिष्टमंडल ने संस्कृति और पर्यटन मंत्री से भेंट की

भारत चीन के लिए आगमन पर पर्यटक वीज़ा देने की संभावनाओं को तलाश रहा हैः डॉ महेश शर्मा

चीन के धार्मिक मामले मंत्री श्री वांग जुआन के नेतृत्व में छह सदस्यीय चीनी शिष्टमंडल ने आज नई दिल्ली में संस्कृति व पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री डॉ. महेश शर्मा से भेंट की। बैठक में संस्कृति सचिव श्री रवीन्द्र सिंह और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि बौद्ध धर्म दोनों देशों को आपस में जोड़ता है और भारत चीन के साथ विशेषकर बौद्ध धर्म संपर्कों पर आधारित संबंधों को विशेष महत्व देता है। भारत चीन से संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए इच्छुक है। उन्होंने कहा कि इसी पृष्ठभूमि में भारत चीन के लिए आगमन पर पर्यटक वीज़ा (टीवीओए) देने की संभावनाओं को तलाश रहा है।

श्री वांग जुआन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चीन दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर विशेष जोर था। उन्होंने कहा कि उनके भारत आगमन का उद्देश्य दोनों देशों के बीच विशेषकर बौद्ध अध्ययन और विनिमय क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ाना है। श्री जुआन ने बताया कि शोध और बौद्ध अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष अक्तूबर में चीन में बौद्ध फोरम का आयोजन किया जाएगा।

दोनों पक्षों के बीच भारत और चीन में संयुक्त रूप से जुआंग जांग (ह्यून सांग) पर एक प्रदर्शनी आयोजित करने पर सहमति हुई। भारत ने चीनी मंचों पर भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए वर्चुअल संग्रहालयों का आयोजन करने का प्रस्ताव भी रखा।

औरंगाबाद (अजंता/एलोरा) और दुन-हुआन (चीन) के गुफाओं की चित्रकला पर शैक्षिक कार्यों और शोध के लिए भारतीय पुरातत्व विभाग और राष्ट्रीय संग्रहालय के महानिदेशक चीन की यात्रा करेंगे। भारत की ओर से यह आग्रह भी किया कि यदि चीनी मंदिरों में कोई बौद्ध ग्रंथ उपलब्ध हैं तो उसे संस्कृत में अनुवाद के लिए भारत से साझा किया जाए।

संस्कृति सचिव श्री रवीन्द्र सिंह ने बताया कि हाल में ही शंघाई में बौद्ध कला पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था जिसे देखने के लिए 3 लाख लोग आये। संस्कृति मंत्रालय के नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट्स (एनजीएमए) द्वारा शीघ्र ही ग्वांनझाओ में आधुनिक कला पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

एनबी/एनके/पीबी